BSKG-176

बी. ए. संस्कृत आनर्स कार्यक्रम

(BSKH)

सत्रीय कार्य

(जुलाई, 2025 एवं जनवरी, 2026 सत्रों के लिये)

BSKG-176 भारतीय सामाजिक विचारधारा में व्यक्ति, परिवार और समाज

मानविकी विद्यापीठ

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

BSKG-176

भारतीय सामाजिक विचारधारा में व्यक्ति, परिवार और समाज

सत्रीय कार्य (2025-26)

पाठ्यक्रम कोड : BSKG-176/2025-26

प्रिय छात्रो/छात्राओ,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (TMA) है। सत्रीय कार्य के लिये 100 अंक निर्धारित किये गये हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जायेंगे।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िये:

1) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनाँक लिखिये।

2) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे दिखाया गया है :

अनुक्रमांक : .....

नाम : .....

पता :.....

दिनाँक :.....

पाठ्यक्रम का नाम/कोड :.....

सत्रीय कार्य कोड :.....

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड :.....

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. अध्ययन: सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए । फिर इससे संबंधित इकाईयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए । अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ विशेष बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढ़ग से व्यवस्थित कीजिए।

2. अभ्यास: उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिन्दु पर विस्तार से विचार कीजिए । निबन्धात्मक या टिप्पणी परक प्रश्नों में आरम्भ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए । उत्तर के आरम्भिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए । मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढ़ग से प्रस्तुत करें । उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए ।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख) उत्तर सही ढ़ग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियों न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें ।

3. प्रस्तुति: जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ, तो उसे साफ़ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए ।

शुभकामनाओं के साथ ।

नोट: याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है, अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी ।

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ :

जुलाई, 2025 सत्र के लिए : 31 मार्च, 2026

जनवरी, 2026 सत्र के लिए : 30 सितम्बर, 2026

सत्रीय कार्य : BSKG-176 भारतीय सामाजिक विचारधारा में व्यक्ति, परिवार और समाज

सत्रीय कार्य – BSKG-176/TMA/2025-26 पूर्णांक - 100

नोट – **इस सत्रीय कार्य में दिए गए सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।**

प्रश्न – 1 गीता के अनुसार "उद्धरेत् आत्मना" का तात्पर्य क्या है? आत्मोन्नति के साधनों सहित स्पष्ट कीजिए। (10 अंक)

प्रश्न – 2 गीता के अनुसार मन, बुद्धि और इन्द्रियों का परस्पर क्रम व उनका आत्मा से सम्बन्ध स्पष्ट कीजिए। (10 अंक)

प्रश्न – 3 गीता 14वें अध्याय के आधार पर सत्त्व, रजस् और तमस् की विशेषताओं का वर्णन कीजिए तथा इनके जीवन-व्यवहार पर प्रभाव बताइए। (10 अंक)

प्रश्न – 4 गीता के अनुसार भक्तियोग और ज्ञानयोग के मूल तत्वों की तुलना कीजिए। (10 अंक)

प्रश्न – 5 पुरुषार्थचतुष्टय के प्रत्येक अंग का संक्षिप्त विवरण एवं उनके पारस्परिक संतुलन की आवश्यकता स्पष्ट कीजिए। (10 अंक)

प्रश्न – 6 वाल्मीकि रामायण में वर्णित आदर्श परिवार के गुणों का विवेचन कीजिए।

अथवा

विवाह संस्कार में अग्नि, सप्तपदी और मंगलाशंसाओं की प्रतीकात्मकता समझाइए। (10 अंक)

प्रश्न – 7 अथर्ववेद के सामनस्यम् सूक्त में वर्णित एकता और पारिवारिक सौहार्द के सिद्धांतों का वर्णन कीजिए।(10 अंक)

प्रश्न – 8 संस्कारों में उपनयन संस्कार के महत्व एवं उद्देश्यों पर टिप्पणी लिखिए। (10 अंक)

प्रश्न – 9 कालिदास के काव्यों के आधार पर मनुष्य और प्रकृति की एकरूपता पर विवेचन कीजिए। (10 अंक)

प्रश्न – 10 पञ्चमहायज्ञों का स्वरूप और उनके सामाजिक-आध्यात्मिक महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

धर्मशास्त्र के अनुसार संविद् व्यतिक्रम की परिभाषा एवं उदाहरण दीजिए। (10 अंक)